राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–18 अंक–03 जुलाई–सितंबर 2017

तकनीकी और व्यावसायिक कौशल विकास संस्थानों के नेटवर्क पर एक दिवसीय सेमिनार

संयुक्त राष्ट्र के स्थायी विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने पेरिस समझौते के तहत राष्ट्रीय कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए समग्र

बैठक को संबोधित करते निदेशक प्रो. सी. थंगराज

आर्थिक विकास और सकारात्मक कदमों की पहल की है। हरित तकनीकी नए और उभरते हुए व्यवसायों में नई हरित नौकरियों की संभावना प्रदान करती है। तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण और कौशल विकास की पहल न केवल मानव और सामाजिक पूंजी को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, बल्कि अधिक स्थिर समाज और हरित अर्थशास्त्र के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और विशेषता को बढ़ावा देने मे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हरित परिवर्तन न केवल नए रोजगार के अवसर लाएगा लेकिन मौजूदा नौकरियों को भी बदल देगा। हरित प्रौद्योगिकी के इस युग में हमे हमारी सामाजिक संरचना एवं मूल्यों को बचाते हुये रोजगार के सम्भावित क्षेत्रों का दोहन करना चाहिए। इस संबंध में तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के सभी प्रमुख और पश्चिमी क्षेत्र के संबंधित संस्थानों की एक दिवसीय पश्चिमी क्षेत्रीय सलाहकार बैठक का आयोजन एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 22 जुलाई, 2017 को सम्पन्न हुआ। कार्यसूची पर विचार–विमर्श के बाद तकनीकी और व्यवसायिक कौशल विकास संस्थानों का नेटवर्क बनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। सदस्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, सदस्यों के बीच तकनीकी और व्यवसायिक कौशल विकास संस्थानों के नेटवर्क की आवश्यकता के लिए आम सहमति विकसित की गई। इस संबंध में सदस्यों ने नेटवर्क के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करने के लिए सहमति प्रदान की जिससे नेटवर्क का प्रत्येक सदस्य स्वतः ही नेटवर्क के दूसरे सदस्य के साथ साझेदारी की स्थिति प्राप्त कर लेगा और कई सदस्यों के साथ साझेदारी स्थापित करने के लिए भी स्वतंत्र है। सभी सदस्य सहयोग को औपचारिक रूप देने और द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के काम को आगे बढ़ाने के लिए एक संगठनात्मक सेटअप बनाने के लिए सहमत हुए। सभी सदस्य कार्यालय पदाधिकारियों के साथ एक कार्यकारी परिषद् बनाने के लिए सहमत हुए। इसमें, अध्यक्ष–निदेशक, एनआईटीटीटीआर, भोपाल, उपाध्यक्ष–कुलपति आरजीपीवी, भोपाल और कुलपति सीएसवीटीयू, भिलाई, सदस्य सचिव–सीईओ, क्रिस्प, भोपाल, कोषाध्यक्ष– एमडी, एमपीसीओएन, भोपाल और पॉच कार्यकारी सदस्य प्रमुख हैं– सीपीआरआई, भोपाल, पेसिव भोपाल, आईडीईएमआई, मुंबई, एमएसएमआई टूल रूम, औरंगाबाद और सीईडीएमएपी, भोपाल नियुक्त किये गये। कार्यकारी सदस्यों को नेटवर्क साझेदारों के लिए नियमों विनियमों को बनाने और भविष्य में सदस्यता शुल्क संशोधित करने का अधिकार होगा। शुरूआत में एनआईटीटीटीआर, भोपाल क्रिस्प, भोपाल से तकनीकी सहायता के साथ प्रभावी कार्यालय का प्रबंधन करेगा। इस बैठक का प्राथमिक लक्ष्य निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए तकनीकी व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण और कौशल विकास पहल पर चर्चा करने के लिए एक खुले मंच में पश्चिमी क्षेत्र और तकनीकी व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को

बैठक को संबोधित करते प्रो. वीरेन्द्र कुमार

एक ही छत के नीचे लाने का था, साथ ही नवाचार को बढ़ावा देना, कौशल विकास में वृद्वि, बौद्धिक संपदा की रक्षा करने, मेक इन इंडिया के तहत सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे का निर्माण, 'स्टेंड अप' भारत के तहत उद्यमशीलता और रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए स्टार्टअप और प्रोत्साहन देने के लिए बैंक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना। प्रो. संजय अग्रवाल तकनीकी और व्यवसायिक कौशल विकास संस्थानो के नेटवर्क के लिए समन्वयक के रूप में काम करेंगे।

निटर की भावी योजनाओं मे होगी हित धारकों की महत्वपूर्ण भूमिका

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 05 अगस्त 2017 को हितधारकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मध्यप्रदेश से 14, छत्तीसगढ़ से 04 एवं गुजरात से 06 प्रतिनिधियों एवं संस्थान के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने की। बैठक में प्रो. बी.एल.गुप्ता ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया एवं स्व–परिचय देने हेतु

बैठक को संबोधित करते निदेशक प्रो. सी. थंगराज

सभी से निवेदन किया। डॉ. सी. थंगराज ने बैठक के उदेश्य का संक्षिप्त विवरण दिया। बैठक के शुभारंभ में प्रो. वीरेन्द्र कुमार, संचालक, तकनीकी शिक्षा म.प्र. ने संस्थान द्वारा आयोजित किये गये इंडक्शन कार्यक्रम एवं एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन पर की गई कार्यशालाओं की सराहना की एवं कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से राज्य के तकनीकी शिक्षक लाभ प्राप्त करेंगे। उन्होंने वर्ष 2018–19 के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने हेतु भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने में राज्य की प्रतिबद्धता दर्शाई। उन्होंने संचालनालय में राज्य कर्मचारियों हेतु विकास प्रकोष्ठ की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा। बैठक की शुरूआत में प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन अधिष्ठाता अकादमिक ने प्रशिक्षण की आवश्यकता ज्ञात करने की रणनीति के बारे में प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी दी। इस वर्ष प्रशिक्षण की आवश्यकता के निर्धारण हेतु मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा एवं महाराष्ट्र में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इन कार्यशालाओं में परियोजनाओं के बारे मे जानकारी, नये एवं उभरते संकाय एवं संस्थागत कार्यक्रमों को अन्तिम रूप दिया जायेगा। वर्ष 2018–19 के केलेण्डर में राज्यवार प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का समावेश किया जावेगा। प्रत्येक राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या एवं उसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सूची भी प्रदान करेगा ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन प्रभावी रूप से किया जा सके। इस वर्ष सभी संस्थाओं एवं कार्यालयों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ई–केलेण्डर ही भेजा जावेगा। 01 अप्रेल 2018 से लागू होने वाले केलेण्डर को संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा 31 जनवरी 2018 को घोषित किया जायेगा। वर्ष 2018–19 के केलेण्डर प्रोग्राम में भाग लेने के लिए ई–रजिस्ट्रेशन के माध्यम से ही प्रवेश दिया जायेगा। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों का पंजीयन दो माह पूर्व शुरू किया जायेगा एवं एक माह पूर्व बंद कर दिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम शुरू होने के तीन सप्ताह पूर्व सभी योग्य प्रतिभागियों को उनके चयन के बारे में सूचित करेंगे। प्रतिभागी चयन की सूचना प्राप्त होने के उपरान्त दो हजार रूपये (रू. 2000/–) अग्रिम के रूप में एक सप्ताह के भीतर ऑन लाईन जमा करेंगे। यह अग्रिम राशि उनके प्रशिक्षण में भाग लेने पर वापस कर दी जावेगी। प्रशिक्षण में भाग नहीं लेने की स्थिति में यह राशि वापस नहीं की जायेगी। विशेष परिस्थितियों में संस्थान के प्राचार्य के अनुरोध पर उसी संस्थान के अन्य प्रतिभागी को स्वीकार किया जा सकता है। ऐसी परिस्थिति में अग्रिम राशि का समायोजन किया जावेगा। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20–30 प्रतिभागियों को ही प्रवेश दिया जायेगा ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण में पंजीयन प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर होगा। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भोपाल में पंजीयन कार्यक्रम आयोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 09:30 बजे से शाम 06:00 बजे तक आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम के पहले एवं आखरी दिन प्रशिक्षणार्थी प्रातः 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी अन्य औपचारिकताएं पूर्ण की जा सके। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदर्शन एवं मूल्यांकन आधारित होंगे। मूल्यांकन के पश्चात प्रतिभागियों को ग्रेड या अंक प्रदान किये जावेंगे एवं यह सूची उनके राज्य के प्राधिकृत अधिकारी को भी भेजी जावेगी। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया जायेंगे। सभी प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षकों के बारे में ऑन–लाईन फीड बेक प्रदान करेंगे जिसके आधार पर कार्यक्रम समन्वयक रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करेंगे। संस्थान मास्टर ऑफ टेकनीकल एजूकेशन, ऑन–लाइन, ब्लेण्डेड एवं संपर्क विधा में शुरू करने जा रहा है जिसे भोपाल के अतिरिक्त सभी विस्तार केन्द्रों पर आयोजित किया जावेगा। संस्थान राज्यों के सहयोग से ट्रेसर स्टडी, इम्पेक्ट स्टडी एवं अन्य शोध कार्य करेगी ताकि प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का ऑकलन किया जा सके एवं भविष्य में नवाचार शुरू किये जा सकें। संस्था ने गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्य से निवेदन किया है कि वे संस्था के विस्तार केन्द्र हेतु जमीन उपलब्ध करवाये ताकि संबंधित राज्यों में प्रशिक्षण का लाभ और अधिक शिक्षकों को पहुंचाया जा सके। इस बैठक में स्टेक होल्डर्स के प्रतिनिधियों ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता की सराहना की जिनमें विशेष रूप से मध्यप्रदेश के लिये आयोजित किये गये एनबीए एक्रीडिटेशन एवं इण्डक्शन कार्यक्रम शामिल हैं। गुजरात राज्य ने मांग की कि गुजरात के विभिन्न शहरों की तकनीकी संस्थाओं के समूह के शिक्षकों के लिए ऑन–लाइन एवं परामर्श आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जावें। प्रो. एस.के. गुप्ता ने संस्था द्वारा गुजरात राज्य के लिए पूर्ण की गई परियोजनाओं पर संक्षिप्त प्रस्तुति दी एवं कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचार प्रारंभ कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ने 20 इंडक्शन कार्यक्रम, प्रयोगशाला प्रबंधन, वित्त प्रबंधन जैसे कार्यक्रमों की मांग की। वर्ष 2018–19 के लिए संस्था का प्रत्येक विभाग नये क्षेत्र में 5 प्रशिक्षण आयोजित करेगा। चर्चा में प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. अन्जु रौले, ने सक्रिय भाग लिया। बैठक के अन्त में संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने, आईसीटी का उपयोग करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का डाटा बेस एवं एम.आई.एस. तैयार करने के निर्देश दिये। निदेशक महोदय ने सभी हितधारकों को धन्यवाद दिया। प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन ने सभी हितधारकों एवं बैठक को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु समिति सदस्यो को धन्यवाद दिया।

बैठक को संबोधित करते प्रो. वीरेन्द्र कुमार

सूचना के अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम

संस्थान के संकाय गणों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सूचना के अधिकार पर एक जागरूकता कार्यक्रम 21 अगस्त 2017 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ संस्था के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सूचना के अधिकार में सूचना लेने वाले एवं सूचना देने वाले को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए ताकि इसका उपयोग सही रूप में किया जा सके। प्रो. बी.एल. गुप्ता ने संस्था के सभी संकाय गणों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्री अखिलेश अर्गल, निदेशक,

अटल बिहारी बाजपेयी इन्स्टीट्यूट ऑफ गुड गवर्नेन्स एण्ड पॉलिसी एनालिसिस, भोपाल का परिचय प्रदान किया। तत्पश्चात् श्री अर्गल से निवेदन किया कि वे सूचना के अधिकार के प्रावधानों एवं अपने अनुभवों को साझा करें। श्री अर्गल ने कहा कि सूचना का अधिकार भारत शासन का एक क्रांतिकारी एक्ट है जो शासन की कार्यपद्धति एवं पारदर्शिता बढ़ाता है। संस्था को उत्तरदायी बनाता है एवं भ्रष्टाचार रोकने में सहायता करता है। उन्होंने कहा कि विश्व के लगभग सभी देशों ने सूचना के अधिकार को पिछले 20 वर्षों में लागू किया है। तत्पश्चात् उन्होंने सूचना के अधिकार के प्रावधानों का विस्तृत वर्णन जीवंत उदाहरणों के माध्यम से किया। उन्होंने केंद्रीय सूचना आयोग, न्यायालय, विभागीय सर्कुलर इत्यादि का भी उल्लेख कर सूचना के अधिकार के प्रावधानों को समझाया। श्री अर्गल ने सूचना के अधिकार के अन्तर्गत जिन सूचनाओं को मना किया जा सकता है उनका भी उदाहरणों द्वारा विस्तृत वर्णन किया। श्री अर्गल ने बहुत ही प्रभावी रूप से पावर पाईन्ट की सहायता से सारगर्भित रूप से प्रस्तुतिकरण दिया। तत्पश्चात् प्रतिभागियों के प्रश्नों को लिया गया। श्री चन्द्रप्रकाश यादव, प्रो. पीयूष वर्मा, प्रो. अन्जू रौले, प्रो. जे.पी. टेगर, श्री सैयद अख्तर इकबाल, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट व श्रीमती अनीता लाला ने श्री अखिलेश अर्गल से प्रश्न पूछे जिनका उत्तर सूचना के अधिकार के प्रावधानों के अन्तर्गत दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्रो. बी.एल. गुप्ता ने संस्था के निदेशक डॉ. सी. थंगराज, श्री अखिलेश अर्गल एवं सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संचालक मण्डल की बैठक संपन्न

संचालक मण्डल की 136वीं बैठक 28 जुलाई 2017 को संपन्न हुई। इस बैठक में एआईसीटीई के सदस्य, मानव संसाधन विकास विभाग, भारत सरकार के सदस्य एवं वित्त विभाग के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में संस्थान की गतिविधियों एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्यों के विषय में निर्णय लिये गये।

संचालक मंडल की बैठक को संबोधित करते प्रो. थंगराज

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में उन्मुखीकरण कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की मांग पर उनके तकनीकी शिक्षकों के लिए "उन्मुखीकरण कार्यक्रम" 23 से 25 जुलाई 2017 तक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजीव

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागीगण

गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री संजय बंदोपाध्याय, प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा म.प्र., प्रो. सुनील गुप्ता, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल एवं प्रो. आर.एस.राजपूत, संचालक, विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय में कार्यरत नवागत तकनीकी शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया। बदलते राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में तकनीकी शिक्षकों की भूमिका एवं शिक्षण संबंधी उत्तरदायित्व और कौशल में निपुणता को उद्देश्य मानकर इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा में चुनौतियों, तकनीकी शिक्षक की जिम्मेदारियों, एन.बी.ए., प्रयोगशाला कार्य का आयोजन, अनुदेशन के सिद्धांत, कक्षीय सम्प्रेषण, पाठ्योजना का निर्माण आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 123 तकनीकी शिक्षकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम दो समूहों में आयोजित किया गया। प्रथम समूह के समन्वयक प्रो. एम.आर. रिजवी थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रौली प्रधान ने सहयोग प्रदान किया। द्वितीय समूह के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. प्रभाकर सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

आई.सी.टी. आधारित कार्यक्रमों पर चर्चा

बैठक को संबोधित करते प्रो. फाटक

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 12 सितंबर 2017 को आई.आई.टी. मुम्बई के पद्मश्री प्रो. दीपक बी फाटक एवं प्रो. कन्नन मौदगालिया ने संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में आई.आई.टी. मुम्बई में आई.सी.टी. विद्या में चल रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के संकाय सदस्यों ने भाग लिया एवं कार्यक्रम का संयोजन प्रो. दशरथ सिंह करौलिया, प्रो. अस्मिता खजांची एवं प्रो. के. जेम्स मथाई ने किया।

पाठ्यक्रमों का विवरण सामग्री पर प्रशिक्षण, सह कार्यशाला का आयोजन

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय के डिप्लोमा इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम पुर्नरचना करने हेतु भिलाई में 11 से 15 सितंबर 2017 तक ''पाठ्यक्रमों का विवरण सामग्री'' (सेमेस्टर–2) पर एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन बी.आई.टी. दुर्ग, छत्तीसगढ़ में किया गया। इस कार्यशाला में 71 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सी.एस.वी.टी.यू. के कुलपति डॉ. मुकेश वर्मा भी उपस्थित थे। परियोजना समन्वयक डॉ. अंजू रौले, समन्वयक डॉ. पीयूष वर्मा सहित संस्थान के विभागों के प्रो. आर.जी.चौकसे, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. सुसन एस. मेथ्यू, प्रो. सुब्रत राय, प्रो. एम.सी.पालीवाल, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. वंदना सोमकुवर प्रो. ए. एस. वाल्के, प्रो. के.जे.मथाई, प्रो. अंजलि पोटनीस, प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. ए.के. सराठे, प्रो. शरद प्रधान, प्रो. अतुल मिश्रा एवं प्रो. संजीत कुमार ने अपना योगदान दिया।

कंप्यूटर नेटवर्किंग के संचालन पर कार्यक्रम

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 28 अगस्त से 01 सितंबर 2017 तक ''कम्प्यूटर नेटवर्किंग के संचालन'' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.के. कपूर थे।

प्रदूषण निगरानी एवं रोकथाम पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 24 से 28 जुलाई 2017 तक ''प्रदूषण निगरानी एवं रोकथाम'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रदूषण के विभिन्न कारण, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत में क्षय, वायु, जल, मृदा औद्योगिक आपदा के कारण प्रदूषण एवं उनके निवारण पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को जल संयंत्र, श्यामला हिल्स में जल प्रदूषण के उपचार की प्रक्रिया समझाई गई और यूनियन कार्बाईड, भोपाल का भ्रमण भी कराया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग संस्थान के 39 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के.पुरोहित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेक, डॉ. हुसैन जीवाखान ने सहयोग प्रदान किया।

प्रयोगशाला के प्रबंधन एवं संचालन हेतु प्रशिक्षण

प्रो. थंगराज के साथ प्रतिभागीगण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 14 से 18 अगस्त 2017 तक "प्रयोगशाला के प्रबंधन एवं संचालन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने प्रयोगशाला की आवश्यकताओं, तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियाँ, प्रयोगशाला उपकरण संचालन, प्रयोगशाला प्रबंधन और प्रयोगशाला उपकरणों के रख–रखाव एवं खरीदने के नियम जैसे विषयों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। प्रशिक्षणार्थियों को कम्प्यूटर आधारित रिकॉर्ड रखने और प्रयोगशाला में विद्युत के मूल मापन के बारे में बताया गया ओर आग बुझाने के लिए उपयोग में आने वाले अग्निशामक यन्त्रों का प्रदर्शन सत्र रखा गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थान के 32 तकनीकी सहायकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया।

विज्ञान और इंजीनियरिंग में समस्या हल करने हेतु गणित के उपयोग पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 11 से 15 सितंबर 2017 तक "विज्ञान और इंजीनियरिंग में समस्या हल करने हेतु गणित" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को डिफरेंशियल इक्वेशन्स, लाप्लास ट्रांसफार्म, फोरियर ट्रांसफार्म, फोरियर सीरिष आदि के इंजीनियरिंग एवं विज्ञान में विभिन्न अनुप्रयोगों को विस्तारपूर्वक बताया गया और स्टेटस्टिका सॉफ्टवेयर के माध्यम से अभ्यास भी कराया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थान के 14 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेक ने सहयोग प्रदान किया।

नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में "नेतृत्व विकास" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 10–11 अगस्त 2017 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के 09, स्कूल ऑफ प्लानिंग के 02 एवं इंटेलिजेन्स ब्यूरो के 02 प्रतिभागियों ने भाग

लिया। कार्यक्रम में नेतृत्व की परिकल्पना, नेतृत्व के मॉडल, नेतृत्व शैली एवं नेतृत्व कौशल परिष्कृत करने की रणनीतियों पर परिचर्चा की गयी। नेतृत्व से संबद्ध अन्य विषयों जैसे प्रेरणा, योजना बनाना, प्रभावी संप्रेषण, टीम में कार्य करना आदि विषयों पर भी नेतृत्व के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के दौरान, व्याख्यान, पावर पाईन्ट प्रस्तुतिकरण, फिश बाऊल एक्सरसाइज, स्व–मूल्यांकन एवं एनालॉजी प्रशिक्षण विधियों का उपयोग किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सम्पूर्ण प्रशिक्षण सामग्री हिन्दी भाषा में उपलब्ध करायी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम की अवधि तीन दिन करने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस प्रकार के सभी कार्यक्रमों की जानकारी उनके कार्यालय में एक माह पूर्व पहुंचने से उनके कार्यालय के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को एनआईटीटीटीआर, भोपाल के इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त हो सकेगा। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आशीष देशपांडे एवं प्रो. पराग दुबे ने योगदान दिया। श्रीमती शोभा लेखवानी ने राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम का समन्वयन किया।

पाठ्यक्रम कार्यान्वयन और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण, सह–कार्यशाला का आयोजन

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय के डिप्लोमा इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम पुर्नरचना करने हेतु 31 जुलाई से 04 अगस्त 2017 तक "पाठ्यक्रम कार्यान्वयन और मूल्यांकन" (सेमेस्टर–2) पर एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन रायपुर, छत्तीसगढ़ में किया गया। इस कार्यक्रम में 45 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. निशीथ दुबे ने योगदान प्रदान किया।

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए सीखने के मूल्यांकन पर कार्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 07 से 11 अगस्त 2017 तक ''तकनीक और व्यावसायिक शिक्षा के लिए सीखने के मूल्यांकन.'' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के समापन के दौरान प्रशिक्षण के चयनित विषयों एवं शिक्षण पद्धति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेने से वे काफी लाभान्वित हुए तथा इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहना चाहिए। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजू रौले ने अपना योगदान किया।

संस्थान में सुधार, परिवर्तन एवं प्रबंधन पर कार्यक्रम आयोजित

प्रबंधन विभाग द्वारा एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 10 से 14 जुलाई 2017 तक ''संस्थान में सुधार, परिवर्तन एवं प्रबंधन'' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें तकनीकी संस्थाओ के प्राचार्य, अधिष्ठाता, विभाग प्रमुख, वरिष्ठ संकायगण एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्व–मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम में 37 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पराग दुबे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन ने योगदान दिया।

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में 11 से 25 सितंबर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। 14 सितंबर 2017 को हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्थान के सभागार में प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के संकायगण, अधिकारियों / कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया व इनाम प्राप्त किये। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत ही अलग–अलग श्रेणियों हेतु अलग–अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निबंध, वाद–विवाद, तात्कालिक भाषण, श्रुतलेखन (डिक्टेशन) एवं स्वरचित गजल / कविता पाठ प्रतियोगिताओं में संस्थान के संकायगण, अधिकारियों / कर्मचारियों एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हिन्दी पखवाड़े को सफल बनाया।

सृष्टि के शिल्पकार की जयंती मनाई गई

संस्थान में 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के वर्कशाप व विभिन्न विभागों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गई। इस कार्यक्रम में प्रो. आर. के. दीक्षित, प्रो. के.के. जैन, प्रो. अस्मिता खजांची, प्रो. शरद प्रधान, प्रो. ए.के. सराठे, प्रो. एम.सी.पालीवाल के अतिरिक्त कार्य केन्द्र के सभी अधिकारी / कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित थे।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा जुलाई-अगस्त-सितंबर 2017 में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

S.N.	Title	Duration	Venue
1	Management of CDTP Scheme for Maharashtra State (Auragabad,Pune,Mumbai Region)	03-07 July 17	Pune
2	Design & & Development of Lab Instruction & Question Paper	03-07 July 17	Pune
3	Resource Management for Manufacturing Sector	03-14 July 17	Bhopal
4	Institutional Reforms and Management of Change	10-14 July 17	Bhopal
5	VHDL Programming	10-14 July 17	Bhopal
6	Innovations and Change Management	10-14 July 17	Nagpur
7	Induction Phase- I	10-21 July 17	Bhopal (For Guj)
8	Management Of PWD Scheme	17-19 July 17	Bhopal
9	Design & Development of Lab Instruction & Question Paper (For II Semester Courses of Group C Programme for MSBTE Identified teacher)	17-21 July 17	Pune
10	NBA Accreditation	17-21 July 17	Goa
11	Web Site Development Using HTML And Content Management System	17-21 July 17	Bhopal
12	Induction Phase- II	24 July-04 Aug 17	Bhopal (For MP)
13	Induction Phase - I	24 July-04 Aug 17	Ahmedabad (For Guj)
14	Pollution Monitoring and Prevention	24-28 July 17	Bhopal
15	FEM and ANSYS	24-28 July 17	Bhopal
16	Student Evaluation & Assessment	24-28 July 17	Goa
17	Leadership Development at Different Levels	31 July-04 Aug 17	Bhopal
18	Basic Java Programming	31 July-04 Aug 17	Bhopal
19	Training cum workshop Curriculum Implementation & Assessment for CRP,CSVTU Bhilai	31 July-04 Aug 17	Raipur
20	Assessment of learning for Technical and Vocational Education	07-11 Aug 17	Bhopal
21	Application of Remote Sensing & GIS in Civil Engineering	07-11 Aug 17	Bhopal
22	Positive Attitude Development and Time Management	07-11 Aug 17	Bhopal
23	Editing & Validation of Lab Instruction & Question Paper (For II Semester Courses of Group A Programme and Applied science course for MSBTE Identified teacher)	07-11 Aug 17	Pune
24	Induction Phase- II	07-18 Aug 17	Bhopal (For MP)
25	Computer Networking using Windows Server	14-18 Aug 17	Bhopal
26	Operation and Management of Laboratory	14-18 Aug 17	Bhopal
27	Leadership Development At Different Levels	14-18 Aug 17	Nagpur
28	Induction Phase- I	21 Aug-01 Sept 17	Bhopal (For Guj)
29	Induction Phase - I	21 Aug-01 Sept 17	Ahmedabad (For Guj)
30	Structural Design Using STAAP PRO Software	21-25 Aug 17	Bhopal
31	ASP. NET with VB. NET	21-25 Aug 17	Bhopal
32	Solid modeling using Pro-E	21-25 Aug 17	Bhopal
33	Editing & Validation Of Lab Instruction & Question Paper (For II Semester Courses of Group B Programme for MSBTE Identified teacher)	04-08 Sept 17	Pune
34	Induction Phase –I	04-15 Sept 17	Ahmedabad (For Guj)
35	Organizational Effectiveness (TCS)	04-15 Sept 17	Bhopal
36	Induction Phase- II	04-15 Sept 17	Bhopal (For MP)
37	Training cum workshop on Content detailing of semester – II courses of all programmes of CRP,CSVTU	11 -15 Sept 17	BIT Durg
38	Enhancing Communication Skills Using Language Laboratory (TCS)	11-15 Sept 17	Bhopal
39	Application of Mathematics for Problem Solving in Science and Engineering	11-15 Sept 17	Bhopal
40	Managing Resources, Infrastructure And Facilities	11-15 Sept 17	Pune
41	Development of Questions Bank	11-15 Sept 17	Goa
42	TOT for Placement Officers	18-22 Sept 17	Bhopal
43	Green Building Concept and Environmental Sustainability	18-22 Sept 17	Bhopal
44	Editing & Validation Of Lab Instruction & Question Paper (For II Semester Courses of Group C Programme for MSBTE Identified teacher)	18-22 Sept 17	Pune
45	Induction Phase- II	18-29 Sept 17	Bhopal (For MP)
46	Microcontroller and Embedded Systems	25-29 Sept 17	Bhopal

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

राजभाषा गतिविधियाँ

संचालक मंडल की बैठक आयोजित

संस्थान के संकाय एवं कर्मचारी गण का विदाई समारोह

विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित कार्यक्रम

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी,
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री सुधीर त्रिपाठी, छायांकन : रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित